पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

डोलवर उपली

गाँव - डोलवर उपली

पंचायत - वलोता

तहसील- दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

डोलवर उपली गाँव का परिचय

डोलवर उपली गाँव वलोता ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है, इसकी तहसील डूंगरपुर है । डोलवर उपली गाँव डूंगरपुर से 22 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है, जो डोलवर उपली का जिला मुख्यालय है । वलोता पंचायत में दो गाँव है - वलोता और डोलवर उपली । वलोता गाँव की सीमा के सबसे नजदीकी गाँव डोलवर निचली, वलोता, कहारी अ, कहारी ब, तलैया, भाटडा है । डोलवर उपली एक राजस्व गाँव है, जिसे वार्ड न. 6 और वार्ड न. 7 दो भाग है और 11 फलें है-

1. बीडा खास
2. लिमडीया फला
3. बंदडीया फला
4. उपलाघरा फला
5. ओडा फला
6. घाटी फला
7. जाम्बुडी फला
8. दरावाला फला
9. सीतला फला
10. पीपला फला
11. भरतपुर

डोलवर उपली गाँव का शिलालेख 19 साल पुराना है और गाँव सभा का गठन भी हो चुका है । अभी भी वार्ड न. 6 में बड के पेड़ के नीचे चौराहे पर गाँव सभा होती है । यहाँ की गाँवसभा की अध्यक्ष महिला है जिनका नाम मणिबाई रोत है मणिबाई रोत शुरुआत से लेकर अभी तक इस पद पर है और सभा को चलाती है । मणिबाई वागड़ मजदूर किसान संगठन की पूर्व संयोजक भी रह चुकी है । गाँव में पेसा कानून को प्रसारित करने और जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । डोलवर उपली गाँव के दोनों वार्डों में करीब 350 घर है जिनकी आबादी लगभग 1700 है । गाँव में सिर्फ एस. टी. जाति के रोत, परमार, कटारा, ब्रज, खराड़ी, कलासुआ उप-जाति के लोग निवास करते है । गाँव की पूरी जमीन 288.91 हेक्ट है जिसमें अनुमानित कृषि योग्य जमीन 131 हेक्ट और जंगल 62 हेक्ट है । गाँव के जंगल पर वन विभाग और गाँव का संयुक्त कब्ज़ा है । गाँव में बिलानाम जमीन, चरागाह जमीन भी है । जिस पर वन विभाग, सरकार का कब्ज़ा है । गाँव में 1 नदी और 1 बरसाती नाला बहता है । डोलवर उपली के जंगल में ज्यादातर बबूल के पेड़ और कटीली झाड़ियाँ है । इसके अलावा सागवान, महुआ, आम, पलाश के पेड़ और गोंद के पेड़ है । वन उपज को गाँव के लोग अपने काम में लेते है । संसाधनों के नाम पर गाँव में 3 मंदिर, 1 नदी, 1 नाला, 5 एनिकट, 2 तालाब, 42 कुएं, 57 हैंडपंप, 10 निजी बोरवेल, 1 श्मशान घाट, 2 आंगनवाड़ी, 2 विद्यालय, 2 राशन की दुकान, 1 उप-स्वास्थ्य केंद्र, 6 सड़के (1 पक्की, 5 कच्ची) है ।

आवागमन की स्थिति

डोलवर उपली गाँव जाने के लिए दो रास्ते है 1. डूंगरपुर जिला मुख्यालय से डोजा मोड़ होते हुए, 2. आसेला मोड़ से आसेला गाँव होते हुए । डोजा मोड़ तक बांसवाडा जाने वाली रोडवेज बसे और प्राइवेट बसे मिल जाती है । डोजा मोड़ से सवारी ऑटो, जीप डोलवर उपली गाँव जाने के लिए मिल जाती है, डोजा मोड़ से गाँव की दूरी 6 किमी है और आसेला मोड़ से गाँव 8 किमी दूरी पर है, आसेला मोड़ से गाँव तक जाने के लिए कोई साधन नहीं मिलता है वहाँ से पैदल या अपने साधन से ही जाया जा सकता है । गाँव में मात्र 1 पक्की सड़क है जो गाँव के बीच से होकर निकलती है । गाँव के भीतर फलों में सिर्फ 5 कच्ची सड़के है । गाँव के मुख्य सड़क से प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँवों में जाने के लिए मिल जाते है, जिसके लिए कभी कभी घंटाभर भी इंतजार करना पड़ जाता है । गाँव के फले छोटी-छोटी डूंगरीयों और पहाड़ियों पर बसे है । घरेलू खरीदारी करने के लिए मुख्य बाजार डूंगरपुर 22 किमी दूर जाना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है। गाँव में जाने के लिए सवारी वाहनों न तो समय तय है न ही किराया ।

शिक्षा की स्थिति

गाँव में 2 प्राथमिक विद्यालय है - 1. प्राथमिक विद्यालय जो सीतलाफला में है, 2. उच्च प्राथमिक विद्यालय जो भरतपुर डोलवर उपली में मेन रोड पर है । सीतलाफला प्राथमिक विद्यालय में कुल 46 बच्चे है जिसमे 25 छात्र और 21 छात्राये है , यह विद्यालय मात्र 1 अध्यापक के सहारे चलाया जा रहा है । वही विद्यालय की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करता है । भरतपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय में 208 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है और 6 अध्यापक नियुक्त है । दोनों ही विद्यालययों में अध्यापकों और कक्षा-कक्षों की कमी है । विद्यालयों में छत से बरसात का पानी गिरने की समस्या के कारण मरम्मत की आवश्यकता है तथा बने हुए शौचालयों की हालत जर्जर है, उनमे पानी की व्यवस्था नहीं है । अध्यापको की कमी, पूरी सुविधाओं के अभाव में बच्चों का नामांकन नहीं होता है और शिक्षा का स्तर निम्न है । अक्सर छात्र बीच में ही पढाई छोड़ देते है । दोनों विद्यालयों में पीने के शुद्ध पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है । स्कूल के बाहर लगे हैंडपंप के पानी में फ्लोराइड आता है लेकिन अन्य कोई विकल्प ना होने पर बच्चे यही पानी पीते है । उच्च शिक्षा के लिये गाँव से 22 किमी दूर डूंगरपुर शहर में जाना पड़ता है ।

स्वास्थ्य की स्थिति

गाँव में 1 आंगनवाड़ी भरतपुर फले में है जिसमे 18 बालक - 12 बालिकाये आ रही है । हर महीने द्वीतीय गुरुवार को स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता है । गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र जिसमे 2 स्टाफ है और बड़ा सरकारी हॉस्पीटल 22 किमी दूर डूंगरपुर में है, हॉस्पीटल जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा है। लेकिन बहुत गंभीर मामलो में 108 मिल पाती है । बीमारी की गंभीरता को देखते हुए कुछ मरीज उदयपुर या गुजरात भी भेजे जाते है ।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के सिर्फ 40 घरों में बिजली की सुविधा है। गाँव में 250 जॉब कार्ड, 200 राशनकार्ड है । गाँव में बामुश्किल खाने का बंदोबस्त कर पाने वाले ऐसे 45 अन्त्योदय राशनकार्डधारी परिवार है । गाँव में कुल

150 आवास योजना के लाभार्थी है । लगभग 90 इंदिरा आवास, 50 प्रधानमंत्री आवास और मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थी है तथा गाँव में सभी योग्यजन को पेंशन मिलती है । गाँव के 45 घरों को उज्जवला गैस योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन मिल चुका है। गाँव में सभी को भामाशाह योजना से जोड़ा जा चुका है । भामाशाह कार्ड से लोगों को कम खर्च में मेडिकल सहायता और फ्री दवाईयाँ मिल जाती है ।

कृषि की स्थिति

गाँव में समतल खेती की भूमि नहीं है, कृषि योग्य जमीन 131 हेक्ट है । जिसपर प्रमुखतया गेंहू, मक्का, उडद और चना की खेती की जाती है। लेकिन खेती में उगाया गया अनाज पूरे साल नहीं चल पाता है यह केवल चार-पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। गाँव में दो राशन की दुकान है 1. वार्ड न. 6 में, 2. वार्ड न. 7 में । राशन की दुकान पर गेहूँ के अलावा और कुछ भी नहीं दिया जाता है । कभी कभार शक्कर भी दी जाती है । जबसे गाँव में उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिले है तब से गाँव में राशनकार्ड पर मिट्टी का तेल देना बन्द कर दिया गया है । हालांकि केवल 45 घरों को उज्ज्वला गैस योजना से जोड़ा गया है ।

रोजगार की स्थिति

यहाँ के लोग रोजगार के लिए मनरेगा में काम, खेती और कडिया मजदूरी करते है । नरेगा में गाँव की ज्यादातर महिलाये जाती है क्योंकि गाँव के युवा बेरोजगारी से बचने और बेहतर आजीविका के लिए काम की तलाश में दूसरे शहरों में जाते है। मनरेगा योजना में 100 दिवस काम मिल जाता है लेकिन काम का पूरा दाम नहीं मिलता है, क्योंकि काम की सही नपती नहीं होती है । जब मनरेगा का काम नहीं मिलता है तो घर चलने के लिए और बेरोजगारी से बचने के लिए गाँव के लोग नजदीक के शहरों में काम करने के लिए जाते है । काम की तलाश में लोग सुबह जल्दी शहर की मजदूर मंडी में पहुँच जाते है जहाँ से उन्हें कडिया काम मिल जाता है लेकिन रोज काम मिल जायेगा इसकी कोई गारंटी नहीं होती है । अक्सर उन्हें कोई काम नहीं मिलता है और खाली जेब वापिस घर लौटना पड़ता है । ऐसी परिस्थितियों में शिक्षित युवा उदयपुर, गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है।

सिंचाई की स्थिति

वैसे तो गाँव में जल-संसाधन काफी है जैसे- 1 नदी, 1 नाले, 5 एनिकट, 2 तालाब, 42 कुएं और 10 निजी बोरवेल है लेकिन फिर भी गाँव में पीने के पानी और सिंचाई के पानी का संकट है क्योंकि भू-जलस्तर काफी नीचे चला गया है । कुएं 150 फीट गहरे है जबकि पानी का जल स्तर 250 फीट नीचे चला गया है, ऐसी स्थिति में केवल बारिश में ही कुओं में पानी रहता है । नदी और नाले में भी चेकडैम नहीं होने के कारण पानी जमीन में नीचे जाने के बजाय बह कर निकल जाता है । 2 एनिकट और 1 तालाब में पानी रहता है लेकिन केवल पशुओ के उपयोग में आने लायक ही बच पाता है क्योंकि एनिकट के बांध की ऊंचाई कम है । इसके अतिरिक्त मध्य ग्रीष्म ऋतु में सभी जल स्रोतों में पानी कम हो जाता है या अधिकतर सूख जाते है । लोगो ने खेतों में ही बोरवेल लगा रखे है जो नाले और नदी पास ही है, काफी ज्यादा पानी खीच लेने से कुओं में पानी कम हो जाता है जिससे उन लोगों को पानी के समस्या हो जाती है, जिनके पास बोरवेल की सुविधा नहीं है ।

डोलवर उपली गाँव की विभिन्न चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

डोलवर उपली गाँव में पहले की अपेक्षा अब जंगल की जमीन कम हो गयी है । गाँव में जंगल की जमीन 62 हेक्ट है । आज से 30 साल पहले सभी पहाड़ियाँ हरी-भरी थी और बांस, नीम, आवला, गोंद, तेंदुपत्ता, सागवान, आम, महुआ के पेड़ थे जिन्हें बेच कर लोगो की आय भी हो जाति थी लेकिन वन विभाग के कब्जे में जाने के बाद जंगल उजाड़ हो गया है । अब जंगल में केवल बबूल की कटीली झाड़िया और घास ही है, कुछ हिस्से में सागवान और महुआ के पेड़ बचे है । जिन्हें काटने या काम में लेने पर वन विभाग के कर्मचारी जुर्माना लगा देते है । जंगल पर सामुदायिक दावा गाँव के लोगो ने लगा रखा है और अभी वर्तमान में जंगल का संरक्षण-सुरक्षा गाँवसभा और जंगलात विभाग दोनों मिल कर कर रहे है । गाँव के पहाड़, बिलानाम, चारागाह पर वन विभाग का कब्ज़ा है । छोटी पहाड़ियों पर लोगो ने अपने खेत-घर बना लिए है । गाँव में बड़े पहाड़ है, इन पहाड़ो में खनन नहीं किया जाता है क्योंकि उनमे किसी भी प्रकार के खनिज के उपलब्धता की जानकारी नहीं है ।

आवागमन की समस्या

डोलवर उपली गाँव में मात्र 1 पक्की सड़क है और 5 कच्ची सड़के है । इसके अलावा कोई भी सी.सी. सड़क नहीं है । पक्की सड़क तलैया बस स्टैंड के सामने से गुजरती हुई गाँव में आती है और गाँव के अंदर होती हुई देवली में चली जाती है । केवल भरतपुर फला मुख्य सड़क के किनारे ज्यादा बसा हुआ है बाकी गाँव के सभी फले छोटी डूंगरीयों और पहाडियों पर बसे है । गाँव के भीतर फलों में सिर्फ 5 कच्ची सड़के है । गाँव के मुख्य सड़क से प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँवों में जाने के लिए मिल जाते है, जिसके लिए कभी कभी घंटाभर भी इंतजार करना पड़ जाता है । बीमार मरीज लोगो और गर्भवती महिलाओं कों समय पर चिकित्सकीय सुविधा ना मिलने से जन-हानि का अंदेशा बना रहता है । सीसी. सड़को के बनने से कम ऊंचाई की पहाडियों में आसानी से आ-जा सकते है, लेकिन पंचायत के समस्या कों अनदेखा करने से गाँव के लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । गाँव के लोग निजी सवारी वाहन चालकों के मनमाने ढंग से किराया वसूलने से भी बहुत परेशान हो रहे है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में लोग कई पीढियों से रह रहे है उनके पूर्वजों ने जंगल में ही अपने घर और खेत बनाये थे और जमीन को खेती के लायक बनाया और पानी के लिए कुओं का निर्माण किया था । लोगो ने अपने जमीन के अधिकार के लिए 8-10 साल पहले फाइले लगाई थी लेकिन इतने साल बीतने के बाद भी गाँव में अधिकतर लोगों को उनकी कब्जे की जमीन के खातेदारी हक और पट्टे नहीं मिले है और जिनको मिले है उनके पास भी पूरी जमीन का पट्टा नहीं है, खातेदारी में न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है। पूरा गाँव की कृषि भूमि उबड़-खाबड़ है जिसे समतल करने की बहुत आवश्यकता है । पानी के अभाव में कृषि बारिश के मौसम पर निर्भर है, जब बारिश अच्छी होती है तो प्रर्याप्त पानी मिल जाता है लेकिन कम बारिश में असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने फसल उत्पादन प्रभावित होता है । सिंचाई के सभी स्रोत नाले, एनिकट, तालाब, कुएं और बोरवेल मध्य ग्रीष्म ऋतु तक अधिकतर सूख जाते है या उनमे पानी कम हो जाता है । गाँव में 2 ही तालाब है लेकिन कीचड़ भर जाने और गहराई कम होने के कारण सालभर पानी कम रहता है। गाँव में भू-जल स्तर 250 फुट से नीचे है। गाँव

में 1 नदी है लेकिन पानी नहीं मिल पाता है । गाँव में 42 कुएं है जिनकी गहराई लगभग 150 फीट है । जिसमे से 32 तो वर्षभर सूखे ही रहते है और बाकि 10 कुओं में साल के फरवरी माह तक पानी खत्म हो जाता है। गाँव में 57 हैंडपंप है। जिसमें से 38 हैंडपंप पाइप में छेद और स्प्रिंग टूट जाने के कारण ख़राब हो गये है । बाकी बचे हैंडपंप में पूरे साल पानी नहीं रहता है, कुछ गर्मी के मौसम में सूख जाते है। चालू हेण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है । गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है। पानी की कमी और गिरते जल स्तर की जानकारी होने के बावजूद वर्षा जल- संरक्षण करने के विषय की ओर हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में दुधारू पशुओ में गाय, भैंस व बकरी और खेती के काम के लिए बैल पाले जाते है। चारे की कमी के कारण पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार न मिलने से गाय डेढ़ लीटर और भैस ढाई लीटर दूध देती है, इससे केवल घर के लिए ही दूध की आपूर्ति हो पाती है । चारे की कमी के साथ-साथ पशुओ की अच्छी नस्ल नहीं होना भी दूध कम देने का कारण है। गाँव में चरागाह की जमीन पहाड़ी ढलान वाली होने के कारण पशुओं के लिए प्र्याप्त मात्रा में चारा नहीं हो पाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 350 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए दो प्राथमिक विद्यालय है । प्राथमिक विद्यालयों में छत, फर्श और शौचालयों की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । कमरों, अध्यापको की कमी और पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होने से बच्चों का नामांकन भी कम होता है और शिक्षा का स्तर निम्न स्तर है । स्कूल के बाहर लगे हैंडपंप के पानी में फ्लोराइड आता है लेकिन अन्य कोई विकल्प ना होने पर बच्चे यही पानी पीते है । कई बच्चे बीच में पढाई छोड़ कर मजदूरी और परिवार की जिम्मेदारी उठाने में लग जाते है । उच्च शिक्षा के लिये गाँव से 22 किमी दूर डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है । गाँव में 1 आंगनवाड़ी भरतपुर फले में है । दूर होने की वजह से दूसरे वार्ड के बच्चे वहाँ नही जा पाते है, जिस कारण लोग अपने बच्चों को वहां कम भेजते है । गाँव में 1 उपस्वास्थ्य केन्द्र है और बडा हॉस्पीटल गाँव से 22 किमी दूर डूंगरपुर शहर में है, जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

गाँव में कृषि बारिश की तीव्रता और मात्रा पर टिकी हुई है । गाँव में पहली बारिश के साथ ही लोग खेती में जुट जाते है । कई बार तो दो बारिश के बाद हफ्तों तक बारिश नहीं होती है जिससे जिन लोगो ने खेत बों दिए है उन्हें नुकसान होने की सम्भावना रहती है । बारिश के मौसम में ही खाने के लिए फसल उगा ली जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। हालाँकि वहाँ पर तालाब, कुआं, बोरवेल एनिकट है, लेकिन सभी जल-स्रोत मध्य गर्मी आते आते सूख जाते है । गाँव में भू-जल स्तर 250 फुट नीचे चला गया है। गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 42 कुऐं, 2 तालाब और 5 एनिकट है। लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। सिचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध

होने के बावजूद गाँव में पीने और सिचाई के पानी की कमी है क्योंकि जमीनी सतह पर उपलब्ध पानी और भू-जल को अनियंत्रित तरीके काम में लिया जा रहा है, मनमाने ढंग से भूमिगत जल बोरवेल से खीच लेने के कारण वर्तमान में जमीन में पानी इतना गहराई में चला गया है और ग्रीष्म ऋतू में पानी ख़त्म हो जाता है, पानी के अत्यधिक दोहन और पानी के संरक्षण के प्रति यही उदासीनता रही तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। जिसके साथ गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । गाँव में गेहूँ, ग्वार, मक्का, उडद, तुहर, चने की खेती की जाती है, जो कि केवल आधे साल ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दूकान गाँव में ही है । राशन की दुकान पर केवल गेहूं मिलता है । राशन की दुकान पर मिटटी का तेल देना बंद कर दिया गया है क्योंकि गाँव में उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिल गये है ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन मनरेगा और खेती है, अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत और मोडासा में मजदूरी करने के लिये जाते है। कुछ लोग पास के उदयपुर जिले में जाकर भी फैक्ट्री में काम करते है । अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी ज्ञान के अभाव में लोग के पास आजीविका का कोई अच्छा विकल्प नहीं है । गाँव में नरेगा में काम की नपती नहीं होने से पूरी मजदूरी नहीं मिलती है । वर्तमान में मनरेगा में मजदूरी 100 रूपये से कम दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। जिसके लिये जवाब मांगने पर बैंक खातों के स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नदी एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प	गाँव में 1 नदी और 1 नाला बहता है, जिसमे साल भर पानी नहीं रहता है । 5 एनीकट बने हुए है 3 एनिकट की स्थिति ख़राब है । 2 एनिकट और 1 तालाब में ही पानी रहता है, जो गर्मी में पशुओ के पीने के लिए काम में आता है । बारिश के तीन महीने बाद तक दोनों तालाबों से गाँव में सिंचाई के लिए और मवेशीयों के लिये पानी लिया जाता है । तेज़ गर्मी में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गाँव में 42 कुओं में से 32 कुएं बंद है और और 57 हैंडपंप में से	गाँववासियों के अनुसार यदि नदी और नाले के रास्तों में आवश्यकतानुसार पक्के-कच्चे चेकडैम बनाये जाये तो पानी जमीन में उतरेगा, दोनों तालाब को गहरा करवा कर रिंगवाल बने तो ज्यादा समय तक पानी रह सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । पहाड़ो के तेज ढलान से बहते पानी के बहाव को चेकडैम की सहायता से धीमा किया जा सकता है तीनों एनीकट की मरम्मत करके गहरा किया जाये तो पानी पूरे साल मिल सकता है और जमीनी जल का स्तर भी ऊपर उठेगा । खेतों में

	38 हैंडपंप गहरे नही होने और पाइप में छेद होने की वजह से सूखे है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है।	सिंचाई के लिए पानी की सुविधा हो सकती है । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए ।
जमीन कृषि भूमि बिलानाम भूमि चरागाह जंगल	पूरा गाँव छोटी पहाड़ियों पर बसा हुआ है लोगो ने अपने खेतों के पास ही घर बना रखे है । कृषि भूमि 131 हेक्ट है जो अधिकतर उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन और छोटी पहाड़ियों वाली जमीन है तथा जंगल की जमीन 62 हेक्ट है । गाँव में चारागाह की जमीन पर गाँव और वन विभाग का कब्ज़ा है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे निश्चित राशि की टी.पी. कटवा कर चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है। ।	गाँव के उबड़-खाबड़ खेतों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। गहरे और मरम्मत होने के बाद तालाब, एनिकट से नहर निकल कर सिंचाई के पानी की कमी पूरी हो सकती है । गाँव की बेकार और खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं। वन भूमि को सामुदायिक करके गाँव सभा के अधीन करना और उसे पुनर्जीवित करके लघुवनोपज ले सकते है ।
सड़क कच्ची सड़क पक्की सड़क	गाँव में केवल एक पक्की सड़क है जो गाँव को पड़ोस के दूसरे गाँवो से जोड़ती है । इसके अलावा 5 कच्ची सड़के है जो कुछ फलों में जाती है जो कम ऊंचाई की पहाड़ियों में जाती है । पंचायत द्वारा समस्या को जानते हुए भी अनदेखा करना और निजी सवारी वाहन चालकों के मनमाने ढंग से किराया वसूलने से भी गाँव के लोग बहुत परेशान हो रहे है । ज्यादातर घरों में जाने के लिए पगडण्डिया है जिससे केवल पैदल ही जाया जा सकता है ।	कच्ची सड़को को सी. सी. सड़को से जोड़ना और पगडण्डी को चौड़ा करना । आसान पहुँच वाले जगहों के लिए पक्की सड़कों की संख्या बढाना ।
स्कूल	गाँव में 2 प्राथमिक स्कूल है। स्कूलों की छत से प्लास्टर भी गिर रहा है और	स्कूलों में छत और फर्श की मरम्मत करवाकर अच्छा बनाया जा सकता है।

	बारिश का पानी टपकता है, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में अध्यापको की कमी है । जिस कारण स्कूलों में बच्चो का नामांकन भी कम होता है । अध्यापको की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है । पीने के लिए बच्चे फ्लोराइड का पानी पीने को बाध्य है ।	इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत और पीने के पानी के लिए आर.ओ. की व्यवस्था की गयी है । अध्यापकों की नियुक्ति के लिए गाँवसभा में प्रस्ताव लिया गया है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 42 कुएं और 57 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा कम गहरे होने और बंद होने के बाद फिर से चालू नहीं किये गये है इस कारण पानी नहीं आता है । गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । हैण्डपंप के पाइप और स्प्रिंग ख़राब हो गयी है । गाँव का जलस्तर 250 फिट से नीचे चला गया है। जितने भी पेयजल के चालू स्रोत है उनके पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत जयादा है और जानकारी के अभाव में लोगो को दातो और हड्डियों से सम्बंधित बीमारियाँ हो रही है ।	जो हैंडपंप ख़राब/बंद हो गये है उनकी मरम्मत करवाना । जिन हैंडपंप में पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और कुओं को गहरा करवाना । गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँवसभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	**दीर्घकालिक**
2	**शिक्षा सम्बंधित**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 2 प्राथमिक स्कूल है, सभी विषयों के	नियुक्त अध्यापको को समय पर आने के लिए	तात्कालिक

	समस्या		अध्यापक नहीं है । स्कूलों में पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है, छत से बारिश में पानी टपकता है और प्लास्टर भी गिर रहा है। स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में कक्षा कक्ष भी पूरे नहीं है ।	पाबंद किया जाना चाहिये । अध्यापको की नियुक्ति होनी चाहिये । स्कूलों की छत की मरम्मत होनी चाहिये और पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था के लिए आर. ओ. प्लांट लगना चाहिये, नये कक्षा कक्ष बनने चाहिये । खेल का मैदान और छात्र छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालय बने और उनमे पानी की सुविधा होनी चाहिये ।	
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ पथरीली और पहाडियों की ढलान वाली है। सिंचाई के लिए नदी, तालाब, एनिकट, कुओं का पानी मध्य ग्रीष्म ऋतु में ही सूख जाते है । बोरवेल से पानी खींच लेने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण। सभी जल-संसाधनों को सुरक्षित करके उनमे पानी की ग्रहण क्षमता बढ़ाना । घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।	**तात्कालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	पंचायत और सरकारी अनदेखी की वजह से गाँव में सी.सी. सड़के नहीं बनी है । सिर्फ एक पक्की सड़क और 5 कच्ची सड़के है गाँव में फलों में आने-	अभी हाल ही जो गाँव सभा में प्रस्ताव लिखे गये है उनमे जहां रास्ते नहीं है वहां सड़क निर्माण के प्रस्ताव लिए गए हैं, कच्ची सड़क को सी.सी.	**तात्कालिक**

			जाने के लिए ज्यादातर पगडण्डिया ही है । रास्तो के अभाव में सबसे ज्यादा तकलीफ बुजुर्गो, महिलाओं और बच्चो को होती है ।	सड़क में बदलना । पगडण्डियों को चौड़ा करना ।	
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना**	**व्यक्तिगत**	गाँव में सरकारी योजनाओं के लागू होने और उसके अच्छे परिणामो में सबसे बड़ी अड़चन जन प्रतिनिधित्व का भ्रष्टाचार में लिप्त होना । जिन लोगों के आवास,शौचालय बन गये है लेकिन उनका भुगतान राशि अटकी हुई है । गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास नहीं बनने का कारण दिया जाता है कि उनका नाम लिस्ट में बी.पी.एल. की सूची में नहीं है । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना । बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना ।	**तात्कालिक**
6	**काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा और जंगल पर सामुदायिक वन दावा नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	गाँव में 62 हेक्ट जंगल की जमीन है और 10 साल पहले गाँव की सामुदायिक दावा फाइल लगायी थी अभी अधिकार नहीं मिला नहीं है । काबिज व्यक्तिगत भूमि का सभी लोगों कों	जमा करायी गयी फाइल की वर्तमान स्थिति का पता करना और उसकी पैरवी करना । बची हुई व्यक्ति दावों की फाइल तैयार करवाकर जमा करवाना ।	

			अधिकार पत्र नहीं मिला है जबकि सभी लोगो ने व्यक्तिगत दावे की फाइल राजस्व विभाग में लगा रखी है		
7	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	गाँव में राशन की दुकान है लेकिन अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्टीविटी न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है ।	जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना और ऐसे स्थान पर दुकान का स्थानान्तरित करना जहाँ कनेक्टीविटी की समस्या नहीं रहती है ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	**W- Weakness कमजोरी**	**O- Opportunities अवसर**	**T- Threats चुनौतियां**
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क पक्की सड़कें	सिर्फ 1 पक्की सड़क की सुविधा है, कच्चे रास्ते को सी.सी. सड़क में नहीं बदलना । एक भी सी.सी. सड़क नहीं है ।	रास्तों की सुविधा होने से स्वास्थ्य सुविधा, रोजगार के अवसर और शिक्षा के स्तर में सुधार आ सकता है और गाँव की परिस्थितियों को बदला जा सकता है । लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी।	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना, पंचायत की उदासीनता और समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना ।
जल नदी नाला तालाब एनिकट कुआं बोरवेल हैंड पंप	गाँव में 1 नदी और 2 तालाब है और 5 एनिकट भी बने है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए जल संरक्षण के	पहाड़ो के तेज़ ढलानों वाले दर्रों पर चेकडेम निर्माण, जल संरक्षण के लिए घरो के बाहर पक्की टंकी का निर्माण करवाना, जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और तालाब	पंचायत द्वारा पानी की समस्या से निपटने की कोई योजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता। सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।

	बारे में गाँव के लोगों में जागरूकता न होना ।	और एनिकट कों गहरा करना । बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये ।	
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। कृषि भूमि और उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव। तकनीकी शिक्षा का अभाव । मनरेगा में पूरा भुगतान नहीं होना ना ही काम की नपती की जाती है ।	गाँव में खाली पड़ी पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, सब्जी के खेती और घरेलु उद्योग से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। पंचायत के द्वारा लघु उद्योग और अन्य कोई मशीन रिपेयरिंग प्रशिक्षण दिए जाने चाहिए ।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना । जमीन के पट्टे ना होना । गाँव की खाली पड़ी जमीन का प्रयोग नहीं होना। सिंचाई की सुविधा नहीं मिलना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति वर्मी कम्पोस्ट और जैविक खाद से बढ़ाना । गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -

प्रस्तावित कार्य	संख्या
खेत समतलीकरण के सम्बन्ध में	103
पशुबाडा निर्माण के सम्बन्ध में (वार्ड 6 और 7 में)	350
खेत तलावडी के सम्बन्ध में	5
नए हैंडपंप खुदवाने के सम्बन्ध में	18
सी.सी. रोड निर्माण के सम्बन्ध में	5
कुआ गहरीकरण के सम्बन्ध में	14
अधुरा एनिकट पूरा करवाने के सम्बन्ध में	1
सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बन्ध में	1

- **गाँव विकास प्रस्ताव**

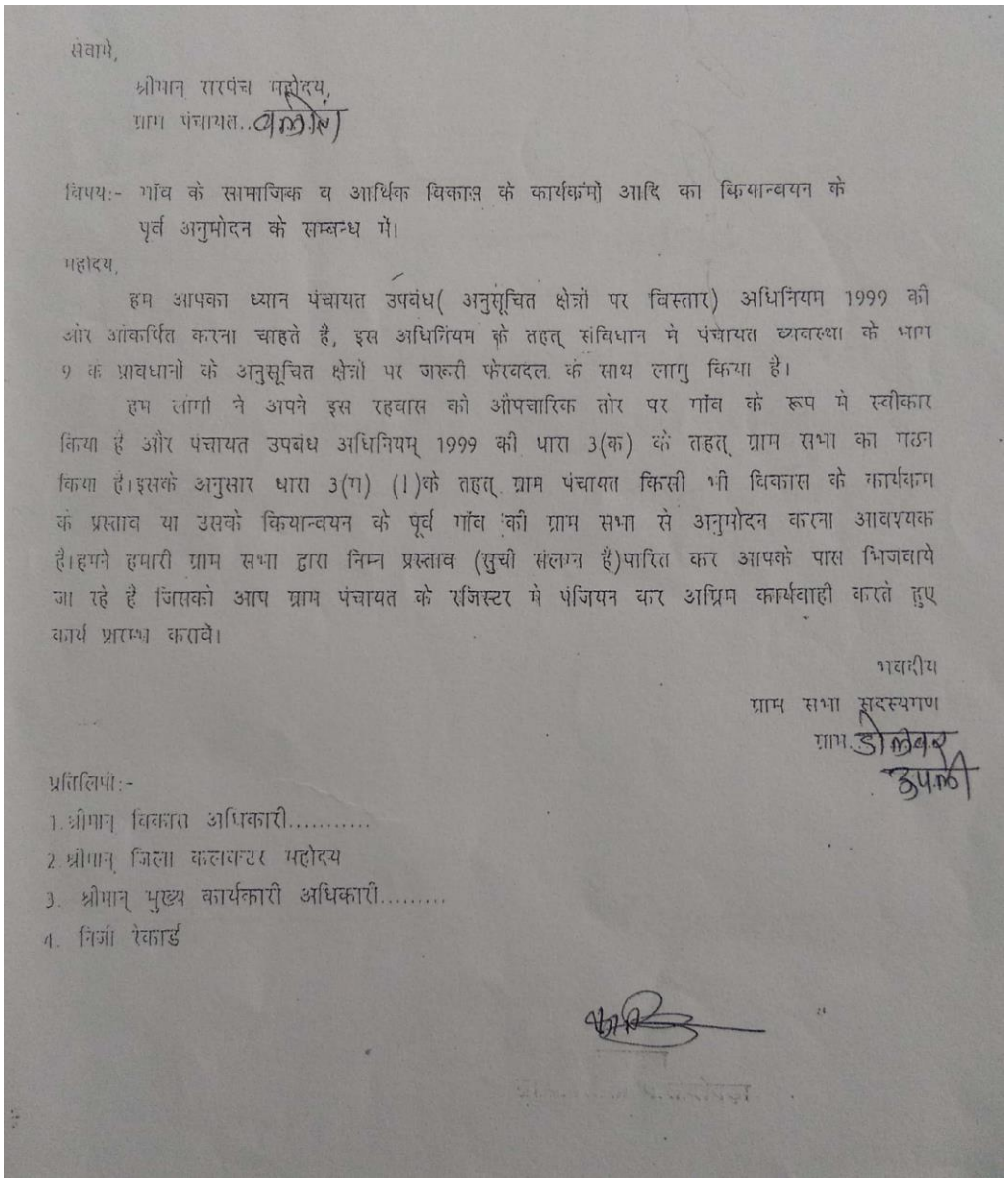

सेवामे,

श्रीमान सरपंच महोदय,
ग्राम पंचायत..वलोरि

विषय:- गॉव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आंकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गॉव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके कियान्वयन के पूर्व गॉव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न हैं)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम.डोलिबर
उपली

प्रतिलिपी:-
1. श्रीमान विकास अधिकारी..........
2. श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........
4. निजी रेकार्ड

सूचना

दिनांक 02/05/2018

सेवा में

सरपंच ग्राम पंचायत वलोंग

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत गाँव डोलर इपली की गाँव सभा की घोषणा दिनांक 09/02/2007 को हो गयी है। गाँव गणराज्य घोषणा पत्र की एक प्रतिलिपि माननीय राज्यपाल महोदय को दिनांक 11.5.018 को भेज दी गयी है। इसकी एक प्रतिलिपि आप को भी उपलब्ध करा दी गयी है। अब वर्ष 2018 – 2019 - 2020 के गाँव विकास योजना के प्रस्ताव स्वयं गाँव सभा में पारित करके पंचायत को प्रतिलिपि उपलब्ध करा दी जाएगी।

हस्ताक्षर

अध्यक्ष मणि

सचिव वालेंग

सूचनार्थ (एजेण्डा)

सेवा में

सरपंच व सचिव ग्राम पंचायत बलोता

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत गावं सभा डोलावल उपली के गावं विकास के प्रस्ताव का अनुमोदन दिनाकं 09/05/18 को किया जायेगा जिसमे आप की उपस्तिथि अनिवार्य है।

अतः आप से अनुरोध है की उपरोक्त बैठक की अध्यक्षता करने की कृपा करें।

स्थान होलीवाला चौराहा .... समय 11:00 AM दिनाकं 09/05/18

एजेण्डा

1. चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
2. तालाब निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
3. रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
4. पशुबाडा निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
5. खेत समतलीकरण के सम्बन्ध में विचार।
6. नए हैंडपंप लगाने और पुराने की मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
7. खेत तलावडी निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
8. नए कुए के निर्माण और पुराने कुए के गहरीकरण व मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
9. एनिकट निर्माण और मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
10. पी.एम. और सी. एम. आवास निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
11. पेंशन – वृद्धा , विधवा, विकलांग, एकल नारी, पालनहार के सम्बन्ध में विचार।
12. अन्य ....

प्रतिलिपि प्रेषित :-

1. सरपंच
2. सचिव
3. ए.एन.एम
4. प्रधानाध्यापक
5. वार्ड पंच
6. राशन डीलर
7. पटवारी
8. ग्राम सेवक
9. आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता
10. अन्य कोई सरकारी कर्मचारी या कोई सामजिक संस्था जो गावं में कार्य कर रही है।

हस्ताक्षर

अध्यक्ष

सचिव

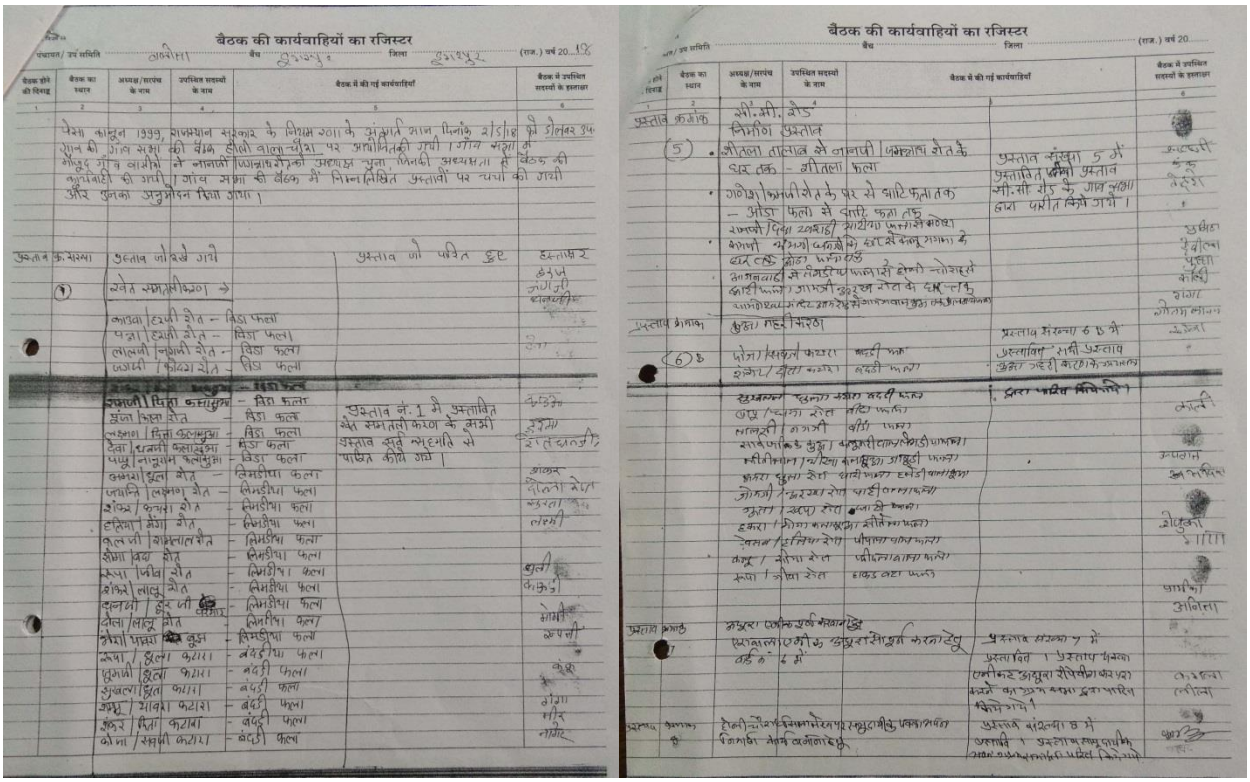

बैठक की कार्यवाहियों का रजिस्टर

पंचायत/ उप समिति .... वाकोसा .... ब्लॉक .... डूंगरपुर .... जिला .... डूंगरपुर .... (राज.) वर्ष 20...18

बैठक होने की दिनांक	बैठक का स्थान	अध्यक्ष/सरपंच के नाम	उपस्थित सदस्यों के नाम	बैठक में की गई कार्यवाहियाँ	बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5	6

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत आज दिनांक 2/5/18 को डोलवर उप. ग्राम की गांव सभा की बैठक होली वाला चौरा पर आयोजित की गयी। गांव सभा में मौजूद गांव वासीयों ने नानजी जगन्नाथ रोत को अध्यक्ष चुना, जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गयी। गांव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और उनका अनुमोदन किया गया।

प्रस्ताव क्र. संख्या | प्रस्ताव जो रखे गये | प्रस्ताव जो पारित हुए | हस्ताक्षर

(1) खेत समतलीकरण →

प्रस्ताव नं. 1 में प्रस्तावित खेत समतलीकरण के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये।

बैठक की कार्यवाहियों का रजिस्टर

प्रस्ताव क्रमांक (5) सी.सी. रोड निर्माण प्रस्ताव

प्रस्ताव संख्या 5 में प्रस्तावित सभी प्रस्ताव सी.सी. रोड के गांव सभा द्वारा पारित किये गये।

प्रस्ताव क्रमांक (6) कुआं गहरीकरण

प्रस्ताव संख्या 6 B में प्रस्तावित सभी प्रस्ताव कुआं गहरी करण के प्रस्ताव पारित किये गये।

विलेज प्लैनिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. पुना रोत 9680216624
2. मणिबाई रोत
3. जीवराज रोत 7413983119
4. दशरथ कटारा 9602686443